[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2826 **G**

Unique Paper Code : 2055002001

Name of the Paper : Hindi Gadya : Udbhav aur Vikas (हिंदी गद्य उद्भव और विकास 'क')

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi**

Semester : III – GE (Generic Elective)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8×3=24)

P.T.O.

(क) जब नमक का नया विभाग बना और ईश्वरप्रदत्त वस्तु के व्यवहार करने का निषेध हो गया तो लोग चोरी-छिपे इसका व्यापार करने लगे। अनेक प्रकार के छल-प्रपंचों का सूत्रपात हुआ, कोई घूस से काम निकालता था, कोई चालाकी से। अधिकारियों के पौ-बारह थे। पटवारीगिरी का सर्वसम्मानित पद छोड़-छोड़कर लोग इस विभाग की बरकन्दाजी करते थे। इसके दारोगा पद के लिए तो वकीलों का भी जी ललचाता था। यह वह समय था जब अँग्रेजी शिक्षा और ईसाई मत को लोग एक ही वस्तु समझते थे। फारसी का प्राबल्य था। प्रेम की कथाएँ और शृंगार रस के काव्य पढ़ कर फारसी-दाँ लोग सर्वोच्च पदों पर नियुक्त हो जाया करते थे। मुंशी वंशीधर भी जुलेखा की विरह-कथा समाप्त करके मजनूं और फरहाद के प्रेम-वृत्तान्त को नल और नील की लड़ाई और अमेरिका के आविष्कार से अधिक महत्व की बातें समझते हुए रोजगार की खोज में निकले।

अथवा

बाजार बाँसा में उस दिन भी चहल-पहल नहीं थी, क्योंकि उस बाजार के ज्यादातर बाशिन्दे तो अपने मकानों के साथ ही-शहीद हो गए थे और जो बचकर चले गए थे, उनमें शायद लौटकर आने की हिम्मत बाकी नहीं रही थी। सिर्फ एक दुबला-पतला बूढ़ा मुसलमान ही उस वीरान बाजार में आया और वहाँ की नई और जली हुई इमारतों को देखकर जैसे भूल-भुलैया में पड़ गया। बाएं हाथ को जाने वाली गली के पास पहुँचकर उसके पैर अन्दर मुड़ने को हुए, मगर फिर वह हिचकिचाकर वहीं बाहर ही खड़ा रह गया, जैसे उसे विश्वास नहीं हुआ कि यह वही गली है, जिसमें वह जाना चाहता है। गली में एक तरफ कुछ बच्चे कीड़ी-कीड़ी खेल रहे थे और कुछ फासले पर दो स्त्रियाँ ऊँची आवाज में चीखती हुई एक-दूसरे को गालियाँ दे रही थीं।

(ख) अनुभूति के द्वंद्व ही से प्राणी के जीवन का आरंभ होता है। उच्च प्राणी मनुष्य भी केवल एक जोड़ी अनुभूति लेकर इस संसार में आता है। बच्चे के छोटे से हृदय में पहले सुख और दुःख की सामान्य अनुभूति भरने के लिए जगह होती है। पेट का भरा या रखाली रहना ही ऐसी अनुभूति के लिए पर्याप्त होता है। जीवन के आरंभ में इन्हीं दोनों के विरूद्ध हँसना और रोना देखे जाते हैं पर ये अनुभूतियाँ बिलकुल सामान्य रूप में रहती हैं, विशेष विशेष विषयों की ओर विशेष विशेष रूपों में ज्ञानपूर्वक उन्मुख नहीं होतीं।

अथवा

सोचते-सोचते लगा कि इस देश की ही नहीं, पूरे विश्व की एक कौसल्या है, जो हर बारिश में बिसूर रही है - 'मोरे राम के भीजै मुकुटवा' मैरी संतान, ऐश्वर्य की अधिकारिणी संतान वन में घूम रही है, उसका मुकुट, उसका ऐश्वर्य भीग

रहा है, मेरे राग कब घर लौटेंगे, मेरे राम के सेवक का दुपट्टा भीग रहा है, पहरुए का कमरबंद भीग रहा है, उसका जागरण भीग रहा है, मेरे राग की सहचारिणी सीता का सिंदूर भीग रहा है, उसका अखंड सौभाग्य भीग रहा है, मैं कैसे धीरज धरूँ?

(ग) आंधी में आग की लपट तेज ही होती हैं, सोना! तुम भी उसी आंधी में लड़खड़ाकर गिरोगी। तुम्हारे ये सारे नूपुर बिखर जाएंगे। न जाने किस हवा का झोंका तुम्हारे गीत की इन लहरों को निगल जायेगा। यह सुख और सुहाग पास-पास उठे हुए दो बुलबुलों की तरह बिना सूचना दिये फूट जाएगा। चित्तौड़ राग-रंग की भूमि नहीं है, जौहर की भूमि है। यहाँ आग की लपटें नाचती हैं, सोना जैसी रावल की लड़कियां नहीं।

अथवा

हमारे शैशवकालीन अतीत और प्रत्यक्ष वर्तमान के बीच में समय-प्रवाह का पाट ज्यों-ज्यों चौड़ा होता जाता है त्यों-त्यों हमारी स्मृति में अनजाने ही एक परिवर्तन लक्षित होने लगता है। शैशव की चित्रशाला के जिन चित्रों से हमारा रागात्मक संबंध गहरा होता है, उनकी रेखाएं और रंग इतने स्पष्ट और चटकीले होते चलते हैं कि हम वार्धक्य की धुंधली आंखों से भी उन्हें प्रत्यक्ष देखते रह सकते हैं। पर जिनसे ऐसा संबंध नहीं होता वे फीके होते-होते इस प्रकार स्मृति से धुल जाते हैं कि दूसरों के स्मरण दिलाने पर भी उनका स्मरण कठिन हो जाता है।

2. हिन्दी कहानी के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

हिंदी निबंध के विकास पर प्रकाश डालिए।

3. 'मलबे का मालिक' कहानी विभाजन की विभीषिका का दंश प्रस्तुत करती है। इस कथन के आलोक में इस कहानी के कथानक का विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

'नमक का दारोगा' कहानी का उद्देश्य लिखिए।

4. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध की मूल संवेदना पर विचार कीजिए। (15)

अथवा

'भाव और मनोविकार' निबंध की विशेषताएँ लिखिए।

5. एकाँकी के तत्वों के आधार पर 'दीपदान' की समीक्षा कीजिए। (15)

अथवा

'सुभद्रा' संस्मरण के आधार पर सुभद्रा कुमारी चौहान के जीवन पर प्रकाश डालिए।

6. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए : (6)

(क) रेखाचित्र का सामान्य परिचय

(ख) व्यंग्य विधा की विशेषताएँ